महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय़वर्धा विदेशी शिक्षण केंद्र

प्रो. चित्तरंजन मिश्र

हिंदी दुनिया की सबसे प्रमुख भाषाओं में से एक है। भारत और दुनिया के दूसरे देशों में इसे बोलने और समझने वालों की संख्या बहुत बड़ी है। पिछले दशकों में अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में भी हिंदी के प्रभाव और हस्तक्षेप को महसूस किया गया है। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के प्रमुख दायित्वों में से एक हिंदी को विश्वभाषा के रूप में प्रतिष्ठित करना भी है। अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में हिंदी के विकास के लिए केंद्रीय और समंवयक अभिकरण के रूप में कार्य करने के लिए विश्वविद्यालय निरंतर प्रयत्नशील है।

विश्वविद्यालय ने सौंपे गए और अपेक्षित दायित्वों को पूरा करने के लिए पहले विदेशी शिक्षण प्रकोष्ठ की स्थापना की थी जिसे अब विदेशी शिक्षण केंद्र के रूप में विधिवत प्रोन्नत कर लिया गया है। केंद्र का लक्ष्य सब प्रकार से हिंदी को एक समर्थ अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में विकसित करने के साथ-साथ ही दुनिया के दूसरे भाषा-भाषी देशों के साथ सांस्कृतिक संबंध के विस्तार और संवाद के सेतु का निर्माण करना भी है। यह केंद्र विदेशी विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रमों का संचालन, प्रबंध, नियमन और शिक्षण करता है।

संचालित पाठ्यक्रम

केंद्र द्वारा निन्मलिखित पाठ्यक्रम संचालित हैं :

क्रम	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि	पात्रता	लक्ष्य
1	आधार पाठ्यक्रम	4 सप्ताह	ऐसे विदेशी विद्यार्थी जिनका हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि से कोई परिचय नहीं है। स्तर - 10+2	डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए आधार तैयारी।
2	गहन हिंदी पाठ्यक्रम	4 सप्ताह	ऐसे विदेशी विद्यार्थी जिन्होंने कम-से-कम 1 सेमेस्टर का हिंदी पाठ्यक्रम पूरा किया है।	हिंदी भाषा प्रयोग में प्रवीणता और वास्तविक स्थितियों में उसका व्यवहार-अभ्यास।
3	प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम	12 सप्ताह (3 माह)	उन विदेशी विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम का शिक्षण जिनके साथ विश्वविद्यालय का अनुबंध है।	हिंदी के भाषायी और सांस्कृतिक परिवेश में पाठ्यक्रम शिक्षण।
4	विश्वभाषा हिंदी में डिप्लोमा	2 सेमेस्टर (कोई विद्यार्थी 1 सेमेस्टर की पढ़ाई	हिंदी भाषा से सामान्य परिचय या 4 सप्ताह का	हिंदी भाषा का सम्यक बोध और व्यवहारिक

		के बाद प्रमाणपत्र लेकर पाठ्यक्रम छोड़ सकता है।)	आधार पाठ्यक्रम। स्तर – 10+2	कुशलता (यह डिप्लोमा पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद विदेशी विद्यार्थी बी.ए. हिंदी (भाषा, साहित्य और संस्कृति) पाठ्यक्रम में प्रवेश के पात्र होंगे।)
5	बी.ए. हिंदी (भाषा, साहित्य और संस्कृति)[1]	6 सेमेस्टर	10+2 और / विश्वभाषा हिंदी में डिप्लोमा।	हिंदी में अंडर-ग्रेजुएट पाठ्यक्रम
6	एम.ए. हिंदी[1]	4 सेमेस्टर	बी.ए. हिंदी (भाषा, साहित्य और संस्कृति)	हिंदी में पोस्ट-ग्रेजुएट उपाधि। इस उपाधि के बाद विद्यार्थी न्यूनतम पात्रता पूरी करने पर एम.फिल. अथवा पी.एच.डी. में प्रवेश के पात्र होंगे।

[1]प्रस्तावित

अब तक विश्वविद्यालय में इन पाठ्यक्रमों में विभिन्न देशों के 130 विद्यार्थी (43 पुरुष और 87 महिला) अध्ययन कर चुके हैं। इन देशों में : जर्मनी, पोलैंड, बेल्जियम, इटली, ऑस्ट्रिया, क्रोएशिया, श्री लंका, थाइलैंड, मॉरीशस, चीन, मलेशिया, जापान और हंगरी आदि के विद्यार्थी सम्मिलित हैं।

यहाँ भाषा शिक्षण के साथ विद्यार्थियों को भारतीय सांस्कृतिक परिवेश और जीवन से भी परिचित होने का अवसर उपलब्ध कराया जाता है। इसके अलावा भारतीय नृत्य और संगीत के प्रशिक्षण की भी व्यवस्था की जाती है।

शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय ने विदेशों में हिंदी का शिक्षण करने वाले अध्यापकों के लिए दो अभिविन्यास पाठ्यक्रम आयोजित किए हैं : प्रथम अभिविन्यास पाठ्यक्रम 1 जनवरी, 2011 से 15 जनवरी, 2011 तक और दूसरा अभिविन्यास पाठ्यक्रम 31 अक्टूबर, 2011 से 9 नवंबर, 2011 तक आयोजित किया गया। दूसरे पाठ्यक्रम में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आई.सी.सी.आर) ने पाँच लाख रुपए की अनुदान राशि भी प्रदान की थी। विश्वविद्यालय भविष्य में भी इस तरह के अभिविन्यास / पुनश्चर्या कार्यक्रम आयोजित करने के लिए उत्सुक है और भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद से सहयोग की अपेक्षा रखता है।

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद नई दिल्ली द्वारा विदेशी विश्वविद्यालयों में स्थापित हिंदी पीठों (चेयर्स) पर हिंदी शिक्षण के लिए चयनित शिक्षकों के लिए भी एक सप्ताह के अभिविन्यास पाठ्यक्रम का

प्रस्ताव करता है ; जिससे संबंधित शिक्षकों की आधारभूत तैयारी हो सके। इस अभिविन्यास पाठ्यक्रम में हिंदी शिक्षकों को विदेशी विद्यार्थियों की शिक्षण सामग्री का सम्यक ज्ञान , अद्यतन शिक्षण विधियों से परिचय, भिन्न सांस्कृतिक परिवेश में शिक्षण की समस्याओं और तौर-तरीकों का भली प्रकार से प्रशिक्षण दिया जाना सम्मिलित है। इस पाठ्यचर्चा में यह भी सम्मिलित है कि संबंधित शिक्षक भारत के सांस्कृतिक दूत की भी बेहतर भूमिका निभा सकें।

ये पाठ्यक्रम वर्ष में कम-से-कम एक बार या आवश्यकतानुसार आयोजित किए जा सकते हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद से पूर्ण वित्तीय अनुदान की अपेक्षा करता है। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद , नई दिल्ली इस अभिविन्यास पाठ्यक्रम को विदेशी विश्वविद्यालयों के हिंदी पीठों (चेयर्स) के लिए आधारभूत पात्रता के रूप में प्रस्तावित करने पर विचार कर सकती है।

हिंदी शिक्षण हेतु आधार सामग्री निर्माण

विश्वविद्यालय ने विदेशी विश्वविद्यालयों के लिए पाठ्यक्रम सामग्री के निर्माण की दिशा में भी पहल की है और इसके लिए दिनांक 11 दिसंबर, 2012 से 21 दिसंबर, 2012 तक भारतीय एवं विदेशी शिक्षकों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के बाद हंगरी में हिंदी की प्रोफेसर सुश्री मारिया न्येगेशी ने हंगेरियन और हिंदी में एक पाठ्यपुस्तक तैयार की है , जिसका विश्वविद्यालय ने प्रकाशन किया है। भविष्य में भी पाठ्यसामग्री निर्माण की दिशा में नियमित प्रयत्न किए जाएँगे।

विशेष दायित्व

विश्वविद्यालय को जुलाई 2007 से न्यू यार्क में संपन्न 8वें तथा सितंबर , 2012 में जोहांसबर्ग में संपन्न 9वें विश्व हिंदी सम्मेलनों में विशेष दायित्व सौपें गए थे। 9वें विश्व हिंदी सम्मेलन में विदेशी विश्वविद्यालयों में हिंदी शिक्षण के लिए मॉडल पाठ्यक्रम निर्माण का विशेष दायित्व भी विश्वविद्यालय को सौंपा गया है। विश्वविद्यालय इन मॉडल पाठ्यक्रमों को तैयार करने की प्रक्रिया में है। शीघ्र ही ये पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध होंगे।

अनुबंध (MoU)

विश्वविद्यालय ने अपनी शैक्षणिक / अकादमिक गतिविधियों के विस्तार कार्यक्रम के अंतर्गत दुनिया के 7 देशों के 9 विश्वविद्यालयों / संस्थानों के साथ शैक्षणिक अनुबंध किया है और भविष्य में कई अन्य विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ अनुबंध की योजना है। इन अनुबंधों के अंतर्गत महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय

हिंदी विश्वविद्यालय और अनुबंधित विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों / शोधार्थियों और शिक्षकों के बीच परस्पर, शैक्षणिक/ अकादमिक गतिविधियों की आवश्यकताओं के अनुरूप , आदान-प्रदान के कार्यक्रम होते हैं।

देश	अनुबंधित विश्वविद्यालय/संस्थान	लिंक
श्रीलंका	यूनिवर्सिटी ऑफ केलानिया, केलानिया	http://www.kln.ac.IK/
	सबरगामुवा यूनिवर्सिटी, बेलिहुलोया	http://www.sab.ac.IK/
मॉरीशस	महात्मा गांधी इंस्टीटयूट, मोका	http://www.mgirti.org
हंगरी	इतवॉस लोरांद यूनिवर्सिटी, बुदापेस्त	http://www.elte.hu/en
बेल्जियम	घेंट यूनिवर्सिटी, घेंट	http://www.ugent.be/en
इटली	यूनिवर्सिटी ऑफ टूरिन, टूरिन	http://www.unito.it/
जर्मनी	यूनिवर्सिटी ऑफ टयूबेंगिन, जर्मनी	http://www.uni-tuebingen.de/en
	यूनिवर्सिटी ऑफ हैम्बर्ग, जर्मनी	http://www.uni-hamburg.de/
रूस	मॉस्को स्टेट यूनिवर्सिटी, मॉस्को	http://www.msu.ru/

विद्यार्थियों को दी जाने वाली सुविधाएँ

- नागपुर एयरपोर्ट अथवा वर्धा / सेवाग्राम रेलवे स्टेशन से विश्वविद्यालय परिसर तक आगमन एवं प्रस्थान के समय तथा क्लास-रूम से हॉस्टल तक आने-जाने हेतु स्थानीय परिवहन की व्यवस्था
- फादर कामिल बुल्के अंतरराष्ट्रिय छात्रावास (एसी) में आवासीय सुविधा
- भोजन (शाकाहारी एवं मांसाहारी)
- एसी क्लास-रूम
- लैंग्वेज लैब
- 24 घंटे बिजली
- 'आर ओ' प्रशोधित पेयजल
- इंटरनेट
- केंद्रीय पुस्तकालय
- जिम
- विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र
- खेलकूद

शुल्क

300 यू.एस. डॉलर प्रतिमाह

संपर्क

प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल

अधिष्ठाता : भाषा विद्यापीठ

एवं

प्रभारी : विदेशी शिक्षण केंद्र

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

पोस्ट- हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स

वर्धा- 442005 (महाराष्ट्र) भारत

वेबसाइट : **hindivishwa.org**

दूरभाष : +91-7152-230084

फैक्स : +91-7152-230903

मोबाइल : +91-9403783977

ई-मेल : ffc.mgahv@hindivishwa.org

shuklahp7@gmail.com

प्रतिकुलपति, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
गाँधी हिल्स, वर्धा– 442001 (महाराष्ट्र)
भारत
chittranjanmishra@gmail.com